THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SOJNDIA) : (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

बौद्ध स्थलों का विकास

1158. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बौद्ध स्थलों के विकास के लिए सरकार द्वारा कोई विशेष योजना बनायी गई है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस योजना में किन किन बौद्ध स्थलों को शामिल किया गया है ;

(ग) इस संबंध में राजगीर, बोध गया और वैशाली में अब तक क्या क्या कार्य हुए हैं और उनके लिए कितनी कितनी राशियां आवंटित की गई है, और

(घ) क्या इस संबंध में भारत सरकार के साथ कुछ अन्य देशों ने भी पहल की है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) और (ख) भारत में बौद्ध केन्द्रों का पता लगाने और उनको विकसित करने हेतु सिफारिशें करने के लिए केन्द्रीय पर्यटन विभाग ने दो कार्य बल गठित किए थे । पहल कार्य बल ने भगवान बुद्ध के जीवन से संबंधित केन्द्रों पर और दूसरे ने बौद्ध धर्म से संबंधित केन्द्रों पर कार्य आरम्भ कर दिया है ।

(ग) केन्द्र सरकार ने राजगीर, बोध गया और वैशाली में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए निम्नलिखित स्कीमें स्वीकृत की हैं :

	स्वीकृत राशि (लाख रु० में)
(1) राजगीर में कैफेटेरिया	2.50
(2) बोध गया में शौचालय और पेयजल सुविधाएं	3.00
(3) वैशाली में अभिषेक पुष्करणी का विकास	33.07
(4) बोध गया में कैफेटेरिया	7.84
(5) वैशाली, बोध गया और राजगीर में जन सुविधाएं	8.61
(6) वैशाली में कुटीरें	24.78

(घ) उत्तर प्रदेश और बिहार राज्यों में जापान की सहायता से बौद्ध परिपथों का विकास किया जा रहा है । परियोजना की अनुमानित लागत 240.45 करोड़ रु० है और जापान से 9.224 मिलियन जापानी येन का लम्बी अवधि पर कम ब्याज का ऋण स्वीकृत हो गया है ।

अजन्ता और ऐलोरा के लिए 81.71 करोड़ रु० की अनुमानित लागत से एक व्यापक पर्यटन विकास योजना स्वीकृत हो गई है जिसमें से 3745 मिलियन जापानी येन की ऋण सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। राष्ट्रीय पार्क सेवा, संयुक्त राज्य अमेरिका ने सारनाथ के संरक्षण, सौन्दर्यीकरण, प्रभाव-पूर्ण भूमि उपयोग और पर्यावरण संबंधी योजना के लिए संकल्पना योजना तैयार की है और अजन्ता और ऐलोरा क्षेत्र के लिए भी बिना किसी वित्तीय सहायता से संकल्पना योजना का एक प्रारूप तैयार किया गया है ।